प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 5

कक्षा – दसवीं (2023-24)

हिंदी -अ (कोड 002)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कृषि में हरी खाद उस सहायक फसल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यतः भूमि में पोषक तत्त्वों को बढ़ाने तथा उसमें जैविक पदार्थों की पूर्ति करने के उद्देश्य से की जाती है। प्रायः इस तरह की फसल को हरित स्थिति में हल चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। हरी खाद से भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है और भूमि की रक्षा होती है। मृदा के लगातार उपयोग से उसमें उपस्थित पौधे की बढ़वार के लिए आवश्यक तत्त्व नष्ट होते जाते हैं। इनकी क्षतिपूर्ति के लिए और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है। बिना गले-सड़े हरे पौधे (फसलों अथवा उनके भाग) को जब मिट्टी की नत्रजन या जीवांश की मात्रा बढ़ाने के लिए खेत में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

हरी खाद के उपयोग से न सिर्फ जीवांश भूमि में उपलब्ध होता है बल्कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में भी सुधार होता है। वातावरण तथा भूमि प्रदूषण की समस्या को समाप्त किया जा सकता है। लागत घटने से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है, भूमि में सूक्ष्म तत्त्वों की आपूर्ति होती है साथ ही साथ मृदा की उर्वरा शक्ति भी बेहतर हो जाती है।

(i) हरी खाद का उपयोग खेतों में क्यों किया जाना चाहिए?

क) रासायनिक खाद की महँगी लागत से बचने के लिए।

ख) रासायनिक खाद के ज़हर से बचने के लिए।

ग) खेती के पारंपरिक तरीकों को बढ़ावा देने के लिए।

घ) मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए।

(ii) मिट्टी का उपजाऊपन कैसे कम हो जाता है?

ग) तेज आँधी-तूफान के आने से। घ) मिट्टी के निरंतर उपयोग से।

(iii) **हरी खाद देना** क्रिया कहा जाता है:

क) गलने-सड़ने के बाद सहायक फसल को खेतों में दबाने को।

ख) खेतों में हरे रंग की खाद का प्रयोग करने को।

ग) खेतों में ताज़ी खाद का प्रयोग करने को।

घ) गलने-सड़ने से पूर्व सहायक फसल को खेतों में दबाने को।

(iv) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
(I) हरी खाद के उपयोग से भूमि में नमी बढ़ती है।
(II) हरी खाद के उपयोग से भूमि की उर्वरता बढ़ती है।
(III) हरी खाद के उपयोग से वातावरण शुद्ध होता है।
(IV) हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में जीवांश बढ़ते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं?

क) (II), (III) और (IV)

ख) (I), (II) और (IV)

ग) केवल (II)

घ) केवल (I)

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है।
कारण (R): हरी खाद से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में सुधार होता है और लागत घटती है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।

ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो
चट्टानों की छाती से दूध निकालो।
है रुकी जहाँ भी धार शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो
चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे।
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे।

दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे।
स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है,
स्वाधीन जगत् में वही जाति रहती है।
वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे।

-- रामधारी सिंह 'दिनकर'

(i) कवि कहता है कि मनुष्य को उन परिस्थितियों में मृत्यु की चिंता नहीं करनी चाहिए, जब

क) कोई असामाजिक कार्य कर रहा हो

ख) उसकी आन अर्थात् इज़्ज़त दाँव पर लगी हो

ग) कोई निरीह पशुओं पर अत्याचार कर रहा हो

घ) कोई युद्ध करने पर आमादा हो

(ii) कवि द्वारा इस कविता को लिखने का कारण हो सकता है

क) देश की समस्याओं से युवाओं को रूबरू कराना

ख) देश को स्वाधीन कराने के लिए स्वयं का बलिदान करने से भी न चूकना

ग) महिलाओं की इज़्जत बचाने के लिए गुहार लगाना

घ) वृद्धों को समाज में उनका उचित स्थान दिलवाना

(iii) **नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है, स्वाधीन जगत् में वही जाति रहती है।** का अर्थ है

i. संसार में केवल वे ही जीत सकते हैं; जो आंदोलन करने को तैयार हों
ii. संसार में केवल वही जाति स्वाधीनतापूर्वक जीवित रह पाती है, जो तलवारों की चोट का सामना करने पर भी हार नहीं मानती
iii. संसार में वे ही जीत सकते हैं, जो महिलाओं का सम्मान करने को तैयार हों
iv. संसार में वे ही जीत सकते हैं, जो जीतने का साहस रखते हों

क) विकल्प (iv)

ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (ii)

घ) विकल्प (i)

क) हमें अपने सम्मान की चिंता करनी है

ख) हमें हर हाल में अपनी भारत माता को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराना है

ग) हमें देश की उन्नति के लिए स्वयं का बलिदान करने से भी नहीं चूकना है

घ) हमें प्रकृति से छेड़छाड़ करने वालों को सबक सिखाना है

(v) कवि भारतीय युवकों को ऐसा जीवन जीने को कहता है, जो

क) योगियों जैसा नहीं, पराक्रमी वीरों जैसा हो

ख) केवल बात करने वाले बुद्धिजीवी जैसा न हो

ग) कायरों जैसा न हो

घ) व्यर्थ में समय नष्ट न करता हो

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) सरल वाक्य में एक कर्ता और एक __________ का होना आवश्यक है। **[1]**

क) सर्वनाम

ख) क्रिया

ग) विशेषण

घ) संज्ञा

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य कौन-सा है? **[1]**

क) दूर तो जाना नहीं था।

ख) बर्थ पर एक सफ़ेदपोश सज्जन बैठे थे जिन्होंने हमारी संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया।

ग) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।

घ) उन्होंने हमें देखकर भी अनदेखा किया।

(iii) निम्नलिखित कथनों में सही कथन है- **[1]**

क) सरल वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

ख) संयुक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य के साथ आश्रित उपवाक्य होते हैं।

ग) संयुक्त वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

घ) मिश्र वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

करके बैठते।

क) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य
ख) प्रधान उपवाक्य
ग) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
घ) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(v) **नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे।** संयुक्त वाक्य में बदलिए- **[1]**

i. नवाब साहब ने कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखकर स्थिति पर गौर किया।
ii. नवाब साहब ने गाड़ी की खिड़की से झाँका तथा स्थिति पर गौर करने लगे।
iii. नवाब साहब ने कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखा और स्थिति पर गौर करते रहे।
iv. इनमें से कोई नहीं।

क) विकल्प (iv)
ख) विकल्प (i)
ग) विकल्प (ii)
घ) विकल्प (iii)

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए- **[1]**

i. उसने राम की वर्षों तक प्रतीक्षा की।
ii. मुझसे गिटार नहीं बजाया जाता।
iii. राधा द्वारा स्नान किया गया।
iv. रानी से पत्र लिखा नहीं जाता।

क) विकल्प (iii)
ख) विकल्प (iv)
ग) विकल्प (ii)
घ) विकल्प (i)

(ii) **मज़दूरों ने ईंट नहीं उठाई।** वाक्य में वाच्य है- **[1]**

क) कर्तृवाच्य
ख) कर्मवाच्य
ग) अकर्तृवाच्य
घ) भाववाच्य

(iii) **उनके द्वारा कहानियाँ रोचक किस्सागोई शैली में लिखी गई हैं।** यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है? **[1]**

ग) मुख्यवाच्य घ) कर्मवाच्य

(iv) **नेताजी द्वारा अदालत में गवाही दी गई** वाक्य को कर्तृवाच्य में बदलिए। **[1]**

क) नेताजी अदालत में गवाही देने के लिए तैयार हो गए
ख) नेताजी अदालत में गवाही देने के लिए चल पड़े
ग) नेताजी से अदालत में गवाही नहीं दी गई
घ) नेताजी ने अदालत में गवाही दी

(v) बस की खिड़की से न झाँकें। भाववाच्य में बदलिए। **[1]**

क) बस की खिड़की से न झाँको।
ख) बस की खिड़की से न झाँका जाए।
ग) बस की खिड़की से नहीं झाँक सकते।
घ) बस की खिड़की से नहीं झाँकना चाहिए।

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) सुरेश, यदि मैं बीमार हो जाऊँ तो घर की व्यवस्था **रुक जाएगी**। दिए गए रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, द्विवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।
ख) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।
ग) क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।
घ) क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य।

(ii) **यह** भाषा किस क्षेत्र में बोली जाती है? रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'भाषा' विशेष्य।
ख) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।
ग) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग, 'भाषा' विशेष्य।
घ) सर्वनाम, संकेतवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(iii) कलकत्ता शहर बेहद सुंदर है। - रेखांकित शब्द का पद-परिचय होगा: **[1]**

सुंदर है क्रिया का कर्म।

ग) कलकत्ता - व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, नपुंसकलिंग, कर्ता कारक, सुंदर क्रिया का कर्ता।

घ) कलकत्ता - व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(iv) **रानी का दर्जी परेशान था <u>कि</u> वे हिंदुस्तान के दौरे पर क्या पहनेंगी** - वाक्य में रेखांकित अंश का पद-परिचय है - **[1]**

क) क्रियाविशेषण अव्यय

ख) समुच्चयबोधक अव्यय

ग) विस्मयादिबोधक अव्यय

घ) संबंधबोधक अव्यय

(v) **<u>आजकल</u>** हमारा देश प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है। रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

क) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

ख) क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

ग) क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

घ) क्रिया विशेषण, स्थानवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- **[1]**
राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा का पाला था।

क) यमक अलंकार

ख) उपमा अलंकार

ग) रूपक अलंकार

घ) अतिश्योक्ति अलंकार

(ii) **प्रकृति का अनुराग-अंचल हिल रहा है।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? **[1]**

क) उपमा अलंकार

ख) यमक अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार

घ) रूपक अलंकार

(iii) **लो हरित धरा से झांक रही, नीलम की कली, तीसी नीली।** **[1]**
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) उपमा अलंकार

ख) अनुप्रास अलंकार

ग) श्लेष अलंकार

घ) मानवीकरण अलंकार

क) मानवीकरण अलंकार　　　　ख) रूपक अलंकार

ग) यमक अलंकार　　　　घ) अनुप्रास अलंकार

(v) **बाण नहीं पहुँचे शरीर तक**
शत्रु गिरे पहले ही भू पर। [1]

- इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

क) उत्प्रेक्षा अलंकार　　　　ख) अतिशयोक्ति अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार　　　　घ) श्लेष अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ छोड़ देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है। दुः खी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख्याल आया कि कस्बे कि हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा....! क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।.... और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

(i) हालदार साहब कस्बे से कब गुजरे

क) पंद्रह दिन बाद　　　　ख) दस दिन बाद

ग) दो दिन बाद　　　　घ) सोलह दिन बाद

(ii) अपने लिए बिकने के मौके कौन ढूँढते हैं?

क) स्वार्थी लोग　　　　ख) देशभक्त लोग

ग) देश के लिए अपना सर्वस्व होम कर देने वाले लोग　　　　घ) कस्बे में रहने वाले लोग

(iii) हालदार साहब ने ड्राइवर से क्या कहा?

क) पान कहीं आगे खा लेंगे　　　　ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) आज बहुत काम है　　　　घ) चौराहे पर रुकना नहीं

(iv) कस्बे में घुसने से पहले हालदार साहब को क्या ख्याल आया?

ग) सभी विकल्प सही हैं

घ) लेकिन मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं होगा

(v) **चौराहा** में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष समास

ख) द्विगु समास

ग) अव्ययीभाव समास

घ) द्वंद्व समास

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **एक कहानी यह भी** पाठानुसार लेखिका के पिता किन गुणों के भग्नावशेषों को ढो रहे थे? **[1]**

क) दरियादिली

ख) सभी

ग) हृदयगत कोमलता

घ) संवेदनशीलता

(ii) नवाव ने खीरा कैसे खाया? **[1]**

क) देखकर

ख) सूँघकर

ग) निगलकर

घ) चबाकर

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बिहँसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फैंक पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतियाँ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सह रिस रोकी ।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधे पापु अपकीरति हारे। मारतहू पा परिअ तुम्हारे।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(i) **कुम्हड़बतिया** का प्रयोग किसने किया है?

क) राम

ख) लक्ष्मण

ग) परशुराम

घ) कौशिक

(ii) लक्ष्मण के हँसने का क्या कारण है?

ग) धनुष टूटने से	घ) परशुराम को देखकर

(iii) **मुनीसु** किसके लिए प्रयोग किया गया है?

क) परशुराम	ख) लक्ष्मण

ग) राम	घ) मुनि

(iv) लक्ष्मण परशुराम पर वार क्यों नहीं कर रहे हैं?

क) क्रोधित होने के कारण	ख) शक्तिशाली होने के कारण

ग) ब्राह्मण होने के कारण	घ) अस्त्र-शस्त्र होने के कारण

(v) लक्ष्मण ने परशुराम के बोली को कैसा कहा है?

क) व्यंग्य	ख) अत्यंत कठोर

ग) मधुर	घ) व्यर्थ

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) उत्साह कैसा गीत है? **[1]**

क) सांध्य गीत	ख) बात गीत

ग) आह्वान गीत	घ) संबोधन गीत

(ii) **संगतकार** ने मुख्य गायक के किस रूप को याद दिलाया? **[1]**

क) परिपक्व रूप को	ख) अनगढ़ रूप को

ग) बचपन में जब वह नौसिखिया था	घ) इनमें से कोई नहीं

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) काशी में बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक हैं - **नौबतखाने में इबादत** पाठ के आधार पर कथन का क्या आशय है? **[2]**

(ii) संस्कृति सभ्यता को किस प्रकार प्रभावित करती है? **[2]**

(iv) बालगोबिन भगत की पुत्र-वधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? **[2]**

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** **[6]**

(i) गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए? **[2]**

(ii) **संगतकार** कविता में कवि ने आम लोगों से क्या अपेक्षा की है? **[2]**

(iii) भाव स्पष्ट कीजिए- **[2]**
जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

(iv) कवि के अनुसार फसल क्या है? **[2]**

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के आधार पर लेखक अज्ञेय के मानवीय मूल्यों का आँकलन कीजिए। **[4]**

(ii) **कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं।** इस कथन के आधार पर स्पष्ट करें कि आम जनता की देश की आर्थिक प्रगति में क्या भूमिका है? **(साना-साना हाथ जोड़ि)** **[4]**

(iii) **माता का अँचल** पाठ में ग्रामीण जीवन की झाँकी है - सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **[4]**

14. **प्रदूषण की समस्या** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

अथवा

कसरत और योगाभ्यास : एक जीवन-शैली विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- कसरत और योगाभ्यास क्या है?
- जीवन-शैली में इसे शामिल करने की आवश्यकता
- लाभ

अथवा

देशाटन विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- क्या और क्यों
- शैक्षिक महत्त्व

15. अपने क्षेत्र में डाक वितरण की अव्यवस्था की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए तथा डाकिए की शिकायत करते हुए मुख्य डाकपाल को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके मित्र को कुछ गलत लड़कों के साथ रहने की आदत पड़ गई है। इस कारण वह पान मसाला खाने लगा है। इससे होने वाली हानियों से अवगत कराते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

16. भारतीय स्टेट बैंक मुंबई के महाप्रबंधक को लिपिक पद के लिए स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

ई-मेल द्वारा किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80 शब्दों में सूचित कीजिए कि आपके निवास स्थान के आसपास अधिक वर्षा के कारण बाढ़ का-सा माहौल बन गया है। जल-भराव से मुक्ति के लिए तुरंत सहायता अपेक्षित है।

17. प्रदूषण नियंत्रण के लिए साइकिल के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

शिक्षक दिवस के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के छात्रों को प्राचार्य की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।

Solutions

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

कृषि में हरी खाद उस सहायक फसल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यतः भूमि में पोषक तत्त्वों को बढ़ाने तथा उसमें जैविक पदार्थों की पूर्ति करने के उद्देश्य से की जाती है। प्रायः इस तरह की फसल को हरित स्थिति में हल चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। हरी खाद से भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है और भूमि की रक्षा होती है। मृदा के लगातार उपयोग से उसमें उपस्थित पौधे की बढ़वार के लिए आवश्यक तत्त्व नष्ट होते जाते हैं। इनकी क्षतिपूर्ति के लिए और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है। बिना गले-सड़े हरे पौधे (फसलों अथवा उनके भाग) को जब मिट्टी की नत्रजन या जीवांश की मात्रा बढ़ाने के लिए खेत में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

हरी खाद के उपयोग से न सिर्फ जीवांश भूमि में उपलब्ध होता है बल्कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में भी सुधार होता है। वातावरण तथा भूमि प्रदूषण की समस्या को समाप्त किया जा सकता है। लागत घटने से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है, भूमि में सूक्ष्म तत्त्वों की आपूर्ति होती है साथ ही साथ मृदा की उर्वरा शक्ति भी बेहतर हो जाती है।

(i) **(घ)** मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए।
व्याख्या: मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए।

(ii) **(घ)** मिट्टी के निरंतर उपयोग से।
व्याख्या: मिट्टी के निरंतर उपयोग से।

(iii) **(घ)** गलने-सड़ने से पूर्व सहायक फसल को खेतों में दबाने को।
व्याख्या: गलने-सड़ने से पूर्व सहायक फसल को खेतों में दबाने को।

(iv) **(क)** (II), (III) और (IV)
व्याख्या: (II), (III) और (IV)

(v) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो
चट्टानों की छाती से दूध निकालो।
है रुकी जहाँ भी धार शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो
चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे।
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे।
छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,

मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे।
स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है,
स्वाधीन जगत् में वही जाति रहती है।
वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे।
-- रामधारी सिंह 'दिनकर'

(i) **(ख)** उसकी आन अर्थात् इज्ज़त दाँव पर लगी हो
व्याख्या: कवि कहता है कि जब मनुष्य की आन अर्थात् उसकी इज्जतत दाँव पर लगी हो, तो ऐसी परिस्थिति में मृत्यु की चिता नहीं करनी चाहिए।

(ii) **(ख)** देश को स्वाधीन कराने के लिए स्वयं का बलिदान करने से भी न चूकना
व्याख्या: कवि द्वारा इस कविता को लिखने का कारण देश को स्वाधीन कराने के लिए स्वयं का बलिदान करने से भी न चूकना हो सकता है, क्योंकि कवि के कथन का मूल संदर्भ स्वतंत्रता या स्वाधीनता ही है।

(iii) **(ग)** विकल्प (ii)
व्याख्या: नत होने का अर्थ झुकना है। कवि कहना चाहता है कि संसार में केवल वही जाति स्वाधीनतापूर्वक जीवित रह पाती है, जो तलवारों की चोट का सामना करने पर भी हार नहीं मानती अर्थात् झुकना नहीं जानती।

(iv) **(ख)** हमें हर हाल में अपनी भारत माता को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराना है
व्याख्या: इस कविता का मूल स्वर है कि हमें हर हाल में भारत माता को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराना है। वास्तव में, यह कविता स्वाधीनता की पृष्ठभूमि में लिखी गई कविता है।

(v) **(क)** योगियों जैसा नहीं, पराक्रमी वीरों जैसा हो
व्याख्या: कवि भारतीय युवकों को योगियों जैसा नहीं अपितु पराक्रमी वीरों जैसा जीवन जीने को कहता है। कवि का स्पष्ट कथन है कि 'योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** क्रिया
व्याख्या: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

(ii) **(ग)** उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।
व्याख्या: उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।

(iii) **(ग)** संयुक्त वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।
व्याख्या: संयुक्त वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

(v) **(घ)** विकल्प (iii)
व्याख्या: नवाब साहब ने कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखा और स्थिति पर गौर करते रहे।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** विकल्प (i)
व्याख्या: उसने राम की वर्षों तक प्रतीक्षा की।

(ii) **(क)** कर्तृवाच्य
व्याख्या: कर्तृवाच्य

(iii) **(घ)** कर्मवाच्य
व्याख्या: कर्मवाच्य

(iv) **(घ)** नेताजी ने अदालत में गवाही दी
व्याख्या: नेताजी ने अदालत में गवाही दी

(v) **(ख)** बस की खिड़की से न झाँका जाए।
व्याख्या: बस की खिड़की से न झाँका जाए

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।
व्याख्या: क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भविष्यकाल, कर्तृवाच्य।

(ii) **(ख)** विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।
व्याख्या: विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'भाषा' विशेष्य।

(iii) **(घ)** कलकत्ता - व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
व्याख्या: कलकत्ता - व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(iv) **(ख)** समुच्चयबोधक अव्यय
व्याख्या: समुच्चयबोधक अव्यय

(v) **(ग)** क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।
व्याख्या: क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'बढ़ रहा है' क्रिया का विशेषण।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** अतिश्योक्ति अलंकार
व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

(ii) **(घ)** रूपक अलंकार
व्याख्या: रूपक अलंकार

(iii) **(घ)** मानवीकरण अलंकार
व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

(v) **(ख)** अतिशयोक्ति अलंकार
व्याख्या: अतिशयोक्ति अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ छोड़ देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है। दुः खी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख्याल आया कि कस्बे कि हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा....! क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।.... और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।
(i) **(क)** पंद्रह दिन बाद
व्याख्या: पंद्रह दिन बाद
(ii) **(क)** स्वार्थी लोग
व्याख्या: स्वार्थी लोग
(iii) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(iv) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(v) **(ख)** द्विगु समास
व्याख्या: द्विगु समास

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-
(i) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी
(ii) **(ख)** सूँघकर
व्याख्या: नवाव ने खीरा सूँघकर खाया और फिर करीने से फाँकों में काटा।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
बिहँसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फैंक पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतियाँ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछ कहहु सह रिस रोकी ।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।

(i) **(ख)** लक्ष्मण
व्याख्या: लक्ष्मण

(ii) **(क)** परशुराम की गर्व भरी बात सुनकर
व्याख्या: परशुराम की गर्व भरी बात सुनकर

(iii) **(क)** परशुराम
व्याख्या: परशुराम

(iv) **(ग)** ब्राह्मण होने के कारण
व्याख्या: ब्राह्मण होने के कारण

(v) **(ख)** अत्यंत कठोर
व्याख्या: अत्यंत कठोर

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(ग)** आह्वान गीत
व्याख्या: आह्वान गीत

(ii) **(ग)** बचपन में जब वह नौसिखिया था
व्याख्या: बचपन में जब वह नौसिखिया था।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) इस कथन का यह आशय है कि कशी के बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्लाखाँ एक दूसरे के बिना अधूरे हैं क्योंकि बिस्मिलला खाँ के दिन की शुरुआत बाबा विश्वनाथ मंदिर की ड्योढ़ी पर शाहनाई बजाने से होती थी यदि वे काशी से बाहर होते थे तो वे अपनी शहनाई का प्याला विश्वनाथ मंदिर की ओर करके बजाते थे और सफलता और ऊँचाई प्राप्त करने के बाद भी वे काशी और विश्वनाथ मंदिर को छोड़कर नहीं गए।

(ii) सभ्यता संस्कृति का ही परिणाम होती है। हमारे खान-पान के ढंग, पहनने-ओढ़ने के तरीके, आवागमन के साधन, आपसी मेल-मिलाप, लड़ाई-झगड़े के तौर-तरीके जितने सुसंस्कृत होंगे, हमारी सभ्यता भी उतनी ही अच्छी होगी। जिस देश में खान-पान के ढंग, गमनागमन के साथ, पहने-ओढ़ने के ढंग, जितने उन्नतः होते हैं, वहाँ सभ्यता भी उतनी ही उन्नत होती है।

(iii) कॉलेज वालों के अनुसार मन्नू भंडारी की हिंदी की अध्यापिका शीला अग्रवाल ने मन्नू और अन्य छात्रों को भड़काया था इसलिए अनुशासन बिगाड़ने का आरोप लगाकर कॉलेज वालों ने उन्हें नोटिस दिया था |

(iv) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले इसलिए नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि पुत्र की मृत्यु के बाद अब भगत अकेले रह गए थे | उन्होंने कभी किसी के आगे सहायता के लिए हाथ नही फैलाया । वृद्धावस्था में उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था | पतोहू को चिंता थी कि कौन

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) गोपियों के अनुसार एक अच्छे राजा का धर्म है कि प्रजा का अहित न करे और न किसी को करने दे। प्रजा की भलाई हेतु सदैव प्रयत्नशील रहे। उनके सुख-दुख में साथ दें और आगे गोपिया कहती हैं कि राजा का धर्म तो यह होता है कि दूसरों को अनीति के मार्ग से छुड़ाए जाए अर्थात अनीति को दूर कर नीति के मार्ग पर चलाया जाए किंतु भगवान श्री कृष्ण तो हमें नीति के मार्ग से अनीति के मार्ग पर चलने के लिए संदेश दे रहे हैं | अतः आपके इस अनीति का मार्ग हमारे लिए त्याज्य है। यह उनका कहाँ का राजधर्म है?

(ii) कवि के अनुसार संगतकार मुख्य गायक का उसके गायन में साथ देता है परन्तु वह अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से अधिक ऊँचें स्वर में नहीं जाने देता। इस तरह वह मुख्य गायक की महत्ता को कम नहीं होने देता है। वह कितना भी उत्तम हो परन्तु स्वयं को मुख्य गायक से कम ही रखता है। कवि के अनुसार यह उसकी असफलता का प्रमाण नहीं अपितु उसकी मनुष्यता का प्रमाण है। वह स्वयं को न आगे बढ़ाकर दूसरों को बढ़ने का मार्ग देता है। इसमें स्वार्थ का भाव निहित नहीं होता है। कवि सभी से यह अपेक्षा रखते हैं कि उनके इस त्याग और निस्वार्थ भाव को उनकी ताकत समझा जाना चाहिए न कि उनकी कमज़ोरी।

(iii) कवि अपनी प्रेयसी की स्मृतियों में मग्न हो जाता है और उसकी सुन्दरता, खूबसूरती का वखान करते हुए कहता है कि उसके गालों की लालिमा के सामने उषा की लालिमा भी फीकी है।

(iv) कवि के अनुसार फसलें पानी, मिट्टी, धूप, हवा और मानव श्रम के मेल से बनी हैं। इनमें विभिन्न नदियों के पानी की ताकत (जादू) समायी हुई है। विभिन्न प्रकार की मिट्टियों की विशिष्ट विशेषताएँ (गुण-धर्म) छिपी हुई हैं। सूरज और हवा का प्रभाव समाया है। इन सबके साथ किसानों और मजदूरों का लगनशील श्रम व सेवा भी सम्मिलित है। इन सभी तत्वों के समेकित योगदान से ही कोई फ़सल तैयार हो पाती है।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के लेखक अज्ञेय के मानवीय मूल्य निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत आँकलित किए जा सकते हैं-

i. **सवेदनशीलता**- लेखक संवेदनशील व्यक्ति है। वह हिरोशिमा के अणु-बम भोगियों के दुख को हृदय की गहराई से महसूस करता है।

ii. **दुख की प्रत्यक्ष अनुभूति-** जापान में घूमते हुए लेखक ने जब जले हुए पत्थर पर जली हुई लंबी छाया देखी तो उसे किसी मनुष्य के जलने के दुख की प्रत्यक्ष अनुभूति हुई, जिससे वह कविता लिखने को बाध्य हो गया।

iii. **तदानुभूति-** रेडियम-धर्मी पदार्थ की किरणों से जले व्यक्ति की पत्थर पर छाया देख अणु विस्फोट लेखक के अनुभूति-प्रत्यक्ष में आ गया और वह स्वयं उस विस्फोट का भोक्ता बन गया।

(ii) लेखिका ने यह बात उन स्त्रियों को देखकर कही है जो पहाड़ों के भारी-भरकम पत्थरों को तोड़कर रास्ता बनाने का श्रमसाध्य कार्य करने में लगी रहती हैं। उन्हें बहुत कम पैसा मिलता है, पर वे देश-समाज को बहुत अधिक लौटा देती हैं। देश की आम जनता भी देश की प्रगति में भरपूर योगदान करती हैं और उसे उतना नहीं मिल पाता जितने की वह हकदार होती है। देश के श्रमिक एवं किसान देश की प्रगति के लिए अनेक प्रकार के कार्यों के द्वारा अपना सहयोग देते हैं। यदि वे कार्य न करें तो देश प्रगति की राह पर आगे नहीं बढ़ सकता। उसके अलावा अन्य लोगों की भी बहुत बड़ी भूमिका है। देश की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भी अहम भूमिका हैं । वह अपने वेतन व सुख-सुविधाओं की परवाह किए बिना देश की प्रगति के लिए अपना सहयोग देते हैं।देश के किसान भी धूप, सर्दी की परवाह किए बिना सबके लिए अन्न उगा कर सहयोग करते हैं। देश का फौजी व वैज्ञानिक भी कम वेतन पर पूर्ण निष्ठा से सेवा कर प्रगति के नये रास्ते खोलता है।

(iii) **माता का आँचल पाठ में लेखक ने ग्रामीण परिवार का चित्रण करते हुए वहाँ की जीवनशैली का उल्लेख किया है**। जहा लोगो में आत्मीयता की भावना है और लोग प्रकृति के करीब हैं। इसके विपरीत शहरों के लोग एकल जीवन व्यापन करने की प्रवृति की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

14. प्रदूषण न केवल किसी एक राष्ट्र की अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त एक भयानक समस्या है। प्रदूषण का अर्थ है-वातावरण में तत्व का असंतुलित मात्रा में विद्यमान होना। प्रदूषण विज्ञान की देन है, रोगों का निमंत्रण है और प्राणियों की अकाल मृत्यु का संकेत है। प्रदूषण इस मनोहर-धरा को नरक तुल्य बनाने पर तुला है। प्रदूषण ने सर्वप्रथम पर्यावरण को दूषित कर दिया है। पर्यावरण का जीवन-जगत् के स्वास्थ्य एवं कार्य-कुशलता से गहरा सम्बन्ध है। यदि पर्यावरण शुद्ध है तो मानव का मन एवं तन शुद्ध, स्वस्थ एवं प्रफुल्लित रहता है। मनुष्य की कार्य-कुशलता बनी रहती है। पर्यावरण को पावन बनाने में प्रकृति का विशेष हाथ है।

प्रदूषण मुख्यतः दो प्रकार का होता है-सामाजिक प्रदूषण और प्राकृतिक प्रदूषण। सामाजिक प्रदूषण समाज के लोगों के दूषित विचार होने से उत्पन्न होता है। धार्मिक प्रदूषण और नैतिक प्रदूषण सामाजिक प्रदूषण के ही रूप हैं। प्राकृतिक प्रदूषण प्रकृति के विभिन्न घटकों में संतुलन बिगड़ने से होता है। उदाहरण के लिये; जल-प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि-प्रदूषण, भू-प्रदूषण और ताप-प्रदूषण। प्रदूषण चाहे सामाजिक हो या प्राकृतिक नितांत चिन्तनीय है।

अथवा

आधुनिक जीवन की भागदौड़ भरी जिंदगी और अर्थ की प्रधानता के कारण आज का मानव न चाहते हुए भी दबाव एवं तनाव, रोग ग्रस्त, अनिद्रा, निराशा, विफलता, काम, क्रोध तथा अनेकानेक कष्टपूर्ण परिस्थितियों में जीवन निर्वाह करने के लिए बाध्य हो गया है। ऐसे में योग की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। योग हमारे समाज में बहुत पुरानी संस्कृति एवं धरोहर है। आज दुनिया भर में योग का अभ्यास किया जा रहा है मूल रूप से योग ना केवल व्यायाम का एक रूप है। बल्कि स्वास्थ्य, खुशहाल और शांतिपूर्ण तरीके से जीने का प्राचीन ज्ञान है। यदि हम नियमित रूप से योग का अभ्यास करेंगे तो शरीर में सकारात्मक बदलाव हो सकेंगे जिससे कुछ ऐसी बीमारियाँ जो आज

योग तो 5000 साल पुराना भारतीय दर्शनशास्त्र है। वैदिक ग्रंथों में योग का विशेष रूप से वर्णन है। शरीर साधना का सर्वश्रेष्ठ साधन है। किसी ने ठीक ही कहा है- 'जान है तो जहाँ है' योग के संदर्भ के एक स्वयं सिद्ध कथन है-

करें योग, भगाये रोग

योग एक चमत्कार है और अगर इसे किया जाए तो यह आपके पूरे जीवन का मार्गदर्शन करेगा प्रतिदिन 20 से 1800 सेकंड योग करके आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन प्रदान करके आपके जीवन को हमेशा के लिए बदल सकता है प्रत्येक व्यक्ति को एक समय योगासनों के लिए समर्पित करना चाहिए। सभी आयु के पुरुष, महिलाएँ एवं बच्चे प्रसन्नतापूर्वक कर सकते हैं। केवल एक दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। एक बार योगाभ्यास की अच्छी आदत पड़ जाए, फिर संसार के सभी काम पीछे छूट जाएँगे, लेकिन योगाभ्यास नहीं छूटेगा।

अथवा

मनुष्य स्वभाव से ही भ्रमणशील है, उसे नवीनता प्रिय है। अतः वह हर नये स्थान तक पहुँचना और हर नयी वस्तु को देखना चाहता है। उसकी यह जिज्ञासु प्रवृत्ति ही उसकी प्रगति का मूल कारण है। अपनी जिज्ञासा को शान्त करने के लिए मानव एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता है। भ्रमण करने की इस प्रक्रिया को देशाटन कहते हैं। घूमने फिरने के शौक को पूरा करना प्राचीनकाल में सुगम नहीं था। देशाटन के माध्यम से हम नयी जगहों को देखकर ज्ञान वृद्धि करते हैं। नये-नये लोगों से मिलकर उनके रहन-सहन, उनके खाने-पीने के ढंग और उनकी सभ्यता, संस्कृति और भाषा-बोलियों का परिचय प्राप्त करते हैं। प्रकृति के नये-नये रूपों से अवगत होते हैं। ऐतिहासिक एवं प्राचीन इमारतों एवं किलों की वास्तुकला के विषय में ज्ञान अर्जित करते हैं। देशाटन एक अच्छा शौक है। इसमें मनोरंजन और ज्ञान वर्द्धन एक साथ होता है।

प्राचीनकाल में बैलगाड़ी, ऊँट, घोड़ा अथवा खच्चर जैसे यातायात के साधन बहुत धीमी गति से गन्तव्य स्थल तक पहुँचाते थे। इन पर यात्रा करना कष्टप्रद भी था। जंगलों, नदियों, पहाड़ों को पार कर दूर-दराज के स्थानों पर पहुँचना जोखिम का काम था। सर्दी, गर्मी और बरसात के महीनों में यात्रा करना दुसाध्य था। रास्ते में जंगली जानवर और लुटेरे डाकुओं का खतरा सदैव बना रहता था, परन्तु इतिहास साक्षी है कि इन परिस्थितियों में भी मेगस्थनीज, ह्वेनसांग आदि यात्रियों ने देश-विदेश की सीमाएँ लाँघकर कठिन यात्रायें की थीं। आधुनिक काल में यात्रा करना एक सुखद अनुभव है। नगर में भ्रमण करने के लिए स्वयं के वाहनों के अतिरिक्त मोटर, स्कूटर, बसों आदि की सुविधाएँ हैं। देश-विदेश पर्यटन के लिए रेलगाड़ी, हवाई जहाज एवं समुद्री जहाज की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, देशाटन से व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार आता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। व्यक्ति दूसरों की उन्नति और प्रगति से प्रेरित होता है। उसमें नयी आशा व नये उत्साह का संचार होता है । आज पर्यटन एक महत्वपूर्ण उद्योग है। एक देश से दूसरे देश में जाने वाले सैलानी प्रेम और भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। आजकल सरकार द्वारा पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

15. मुख्य डाकपाल महोदय,
छपरा बिहार।
01 मार्च, 2019

मैं आपका ध्यान रामगढ़ गाँव की डाक वितरण में होने वाली लापरवाही तथा डाकिए के गैर जिम्मेदारानापूर्ण व्यवहार की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।
श्रीमान जी, यहाँ आपके विभाग द्वारा नियुक्त डाकिया नफेसिंह अपने दायित्व को जिम्मेदारीपूर्वक नहीं निभा रहा है। वह हमारे पत्रों को बाँटने में अत्यंत लापरवाही दिखाता है। वह घर-घर पत्र देने या घरों के बाहर लगे बॉक्स में पत्र डालने के बजाए गली के बाहर खेल रहे बच्चे को थमा जाता है या गली में फेंककर चला जाता है। यह काम भी वह प्रतिदिन नहीं करता है। वह सप्ताह या पंद्रह दिन में एक बार आता है और लापरवाही से पत्र देकर चला जाता है। कई बार लोगों को साक्षात्कार के लिए बुलाबा-पत्र, न्यायालय का पत्र, नियुक्ति-पत्र आदि समय बीतने के बाद मिलते हैं जिनका कोई महत्त्व नहीं रह जाता है, और व्यक्ति हाथ मलता रह जाता है।
आपसे प्रार्थना है कि डाक वितरण व्यवस्था को ठीक बनाने एवं इस डाकिए के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।
भवदीय,
गोविन्द सिंह,
27/5 रामगढ़, बिहार।

अथवा

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
02 मार्च, 2019
प्रिय गोविन्द सिंह,
सप्रेम नमस्ते।
स्वयं सकुशल रहकर आशा करता हूँ कि तुम भी छात्रावास में रहते हुए सकुशल होगे। पिछले सप्ताह तुम्हारे कक्षाध्यापक का पत्र आया था, जिसमें उन्होंने तुम्हारे द्वारा पान मसाला खाने संबंधी गंदी आदत की शिकायत की थी। इससे तुम्हारे पिता जी बहुत चिंतित दिख रहे थे।
मित्र, तुम नहीं जानते कि तुमने गंदे लड़कों की संगति करके कितनी बुरी आदत बना ली है। तुम पान मसाला जैसे मादक पदार्थ को तथाकथित सभ्यता का प्रतीक मानने लगे हो, यह कहीं से भी उचित नहीं है। ये पान मसाले खाने में भले अच्छे लगें पर इनमें मीठा ज़हर भरा होता है। तुम्हारा सच्चा मित्र होने के कारण मैं तुम्हें इस मीठे ज़हर के सेवन से रोकना चाहता हूँ। तुम ऐसे मादक पदार्थों का सेवन अविलंब बंद कर दो। अभी भी समय हैं कि तुम सही रास्ते पर आ जाओ वरना इससे पीछा छुड़ाना बहुत कठिन हो जाएगा।
तुम्हारा शुभचिंतक
गौतम

16. प्रति,
महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
नारीमन प्वाइंट मुंबई।

दिनांक 05 मई, 20xx के महाराष्ट्र टाइम्स में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि आपके कार्यालय में लिपिकों की आवश्यकता है। मैं स्वयं को इस पद के योग्य मानकर आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ, मेरा संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-

नाम - पूनम शर्मा

पिता का नाम - श्री प्रकाश कुमार

जन्मतिथि - 14 दिसंबर, 1987

पता - ए 4/75, गोकुलपुरी, दिल्ली।

शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०, दिल्ली	2002	68%
बारहवीं कक्षा	सी०बी०एस०ई०, दिल्ली	2004	75%
बी.कॉम.	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	2007	66%
एम.कॉम	दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली	2009	62%
कम्प्यूटर कोर्स	द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (एफटैक कम्प्यूटरलर्निंग सेंटर)	2011	

अनुभव- सहारा कोअपरेटिव बैंक में क्लर्क पद पर तीन साल।

आशा है कि आप मेरी योग्यताओं पर सहानुभूति विचारकर सेवा का अवसर प्रदान करेंगे।

सधन्यवाद

भवदीया

सुमन शर्मा

हस्ताक्षर ....

दिनांक 05 मई, 2019

संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

From: Nehasharma20@gmail.com

To: V.J.publication@gmail.com

विषय - जल भराव से मुक्ति हेतु

महोदय,

मैं नेहा शर्मा शांति नगर की निवासी हूँ। मेरा निवास स्थान बाढ़ के कारण बहुत बुरी तरह प्रभावित हो गया है। यहाँ पर जल-भराव के कारण एक बाढ़ सा माहौल पैदा हो गया है। वर्षा तीव्र गति से होने के कारण यहाँ पर अधिक जल भरा हुआ है और नालियों के पानी का भी निकास नहीं हो रहा है। इससे मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है और डेंगू के एक-दो मामले भी प्रकाश में आए हैं। यह समस्या हम सभी को स्कूल और काम जाने में भी असुविधा पहुँचा रही है। मुझे तत्परता से तुरंत सहायता की आवश्यकता है ताकि जल-भराव से मुक्ति मिल सके। कृपया पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करवाएँ और मच्छरों को मारने की दवाई भी डालवाएँ। नगर निगम से सुनवाई का इंतजार है। कृपया जल्द से जल्द सहायता प्रदान करें।

17.

प्रदूषण नियंत्रण

अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लए प्रतिदिन साइकिल का प्रयोग करिए। साइकिल चलाने से प्रदूषण भी कम होगा लोग अधिकतर साइकिल का प्रयोग करेंगे तो प्रदूषण पर हम नियंत्रण कर सकते हैं तथा बीमारियों से भी बचेंगे। साइकिल चलाने से प्रदूषण और लोगों के जीवन स्तर में परिवर्तन होने की संख्या में वृद्धि होगी। बच्चों को प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर साइकिल उपहार में दें।

आज्ञा से
प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी

अथवा

बधाई सन्देश

दिनांकः 3/XX/20XX
समय: प्रातः 9 बजे
प्रिय विद्यार्थियों
मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ कि छात्र हमारे देश की प्रमुख आधारशिला हैं। आप सभी छात्रों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर हम सभी शिक्षकों के सम्मान में जो कार्यक्रम रखा था, वह बड़ा ही रुचिवर्धक था। मैं सभी शिक्षकों की ओर से आप सभी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद करता हूँ। आप सब को मेरी ओर से ढेर सारी बधाई।
क.ख.ग.
प्रधानाचार्य